International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157
Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.org
Volume 3; Issue 4; July 2018; Page No. 33-34

विद्यार्थियों की कैरियर परिपक्वता पर एक अध्ययन : जनसांख्यिकीय चरों के संदर्भ में..

डॉ. स्मिता सक्सेना, अंजना जैसवार
[1] Professor, Department of Education, Hemchand Yadav University, Durg, Chhattisgarh, India
[2] Assistant Professor, Department of Education, Hemchand Yadav University, Durg, Chhattisgarh, India

सारांश
प्रस्तुत लघुशोध अध्ययन में शोधकर्ता ने दुर्ग जिले के भिलाई में स्थित उच्चतर माध्यमिक स्तर के 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है उक्त अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने कैरियर परिपक्वता के मापन हेतु स्व–निर्मित कैरियर परिपक्वता मापनी का उपयोग किया है। प्राप्त आकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर न पाए जाने के कारण बालकों ने अपने ज्ञान के क्षेत्रों को इतना अधिक विस्तृत किया है कि वे अपने कैरियर के निमार्ण में अधिक परिपक्व हो गये है।

मूल शब्द: जनसांख्यिकीय, यादृच्छिक विधि, लघुशोध

प्रस्तावना
शिक्षा मानव समाज की प्राचीनतम घटना है, शिशु जन्म से ही ये घटना घटित होती है। और उसके परिपक्व होने तक चलती रहती है। परिपक्वता प्राप्त करने पर यह शैक्षिक प्रक्रिया की विरासत को अगली पीढ़ी में हस्तांतरित करना आरंभ कर देती है।बालक जन्म के पश्चात् वृद्धि एवं विकास की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरता हुआ वह परिपक्व होता है। यह परिपक्वता विभिन्न पक्षों जैसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक से संबंधित होती है। बालक के प्रारंभिक अवस्था में परिवार का आकार, परिवार का वातावरण तथा बालक का परिवार में स्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। यदि बालक का प्रारंभिक वातावरण एवं अनुभव तिरस्कार पूर्ण हो तो बालक अंतर्मुखी हो जाता है जबकि यदि प्रारंभिक वातावरण एवं अनुभव अच्छा हो तो बालक बहिर्मुखी होता है। शारीरिक एवं मानसिक परिपक्वता व्यक्ति के स्वयं के समायोजन की दृष्टि से अधिक महत्व रखते हैं। कैरियर परिपक्वता को प्राप्त करने के लिए बालक की शैक्षिक रूचि के अनुसार उसके विषय का चुनाव अत्यंत आवश्यक है ताकि आगे भविष्य में सही कैरियर का चुनाव कर सके एवं जीवन में सफल हो सके। कैरियर परिपक्वता जीविकोपार्जन का एक तरीका है, जिससे कोई मानव अपने जीवन यापन के लिए आवश्यक साधन एवं सुविधाएँ अर्जित करता है। वर्तमान समय में लोगों का जीवन तनावग्रस्त है बढ़ते हुए भौतिकीकरण के प्रभाव के चलते प्रत्येक व्यक्ति आरादायक तथा विलासिता पूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहता है जिससे कड़ी प्रतिस्पर्धाओं का जन्म होता जा रहा है इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ने लगा है, इस संबंध में उपमा ढिल्लन एवं राजिन्द्र कौर (2005) ने स्नातक छात्रो की उच्च कैरियर परिपक्वता के मुख्य कारको का अध्ययन किया परिणाम स्वरुप स्नातक छात्रों के उच्च कैरियर परिपक्वता में सांस्कृतिक चर कैरियर परिपक्वता की भविश्यवाणी में सबसे प्रमुख कारण होता है। मानव विकास की सबसे विचित्र एवं जटिल अवस्था किशोरावस्था है। शिक्षा के क्षेत्र में इस अवस्था का विशेश महत्व है इसके शाब्दिक अर्थ के रूप में हम कह सकते हैं कि किशोरावस्था अवस्था वह काल है जो परिपक्वता की ओर संक्रमण करता है। फैजल (2013) ने देशी विदेशी छात्रों के बीच कैरियर परिपक्वता की जांच की और पाया कि सांस्कुतिक चर कैरियर परिपक्वता में प्रमुख कारक है। कैरियर परिपक्वता मुख्यतः व्यक्तिगत परिवर्तनों में समाहित है जिसके कारण व्यक्ति में नयी योग्यताओं, भिन्न दृष्टिकोण तथा नवीन भावनाओ का उदय होता है। व्यक्ति अपने को पहले से अधिक विकसित या सफल अनुभव करता है। इस प्रकार कैरियर परिपक्वता के द्वारा विकास की प्रक्रिया मूलतः चिन्तन, अनुभव व इच्छाओ के विस्तार का परिणाम है।

उद्देश्य
उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की कैरियर परिपक्वता का अध्ययन करना।

परिकल्पना
H_0: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।
H_{0-1}: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के माध्यम के आधार पर कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।
H_{0-2}: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति के आधार पर उनके मध्य कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

न्यादर्श
समस्या के समाधान हेतु दुर्ग जिले के भिलाई क्षेत्र के 8 उच्चत्तर माध्यमिक (हिन्दी एवं अंग्रजी माध्यम) विद्यालय के 100 किशोर छात्र छात्राओ का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि के आधार पर किया गया है

उपकरण
प्रस्तुत लघुशोध अध्ययन से संबंधित सभी आंकड़ों का एकत्रित करने हेतु ''कैरियर परिपक्वता की मापनी'' (स्वयं निर्मित उपकरण) का प्रयोग किया गया है। मापनी छात्रों की कैरियर परिपक्वता से संबंधित 25 प्रश्न है।

सांख्यिकीय विश्लेशण

H_0 &उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

सारणी 1: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर कैरियर परिपक्वता का सांख्यिकी विष्लेश

क्रमांक	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	टी मूल्य
1	छात्र समूह	50	19.54	3.62	1.31
2	छात्रा समूह	50	20.38	2.64	

df 98, P > 0-05 सार्थक अंतर नही Gsa

छात्र एवं छात्राओं के मध्य टी मूल्य 1.31 प्राप्त हुआ है जो क 98 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अंतर नही पाया गया। परिणाम इस तथ्य की पुश्टि करता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं के मध्य कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है इसका संभावित कारण यह हो सकता है कि आज के सामाजिक वातावरण में लड़के व लडकियों के भेद को कम किया है जिससे लड़के व लड़कियॉ अपने कैरियर के प्रति जागरूक हो गये है।

H_{0-1}: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के माध्यम के आधार पर कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी 2: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के माध्यम के आधार पर कैरियर परिपक्वता का सांख्यिकी विश्लेशण

क्रमांक	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	टी मूल्य
1	हिन्दी माध्यम विद्यार्थी	50	20.52	2.74	1.81
2	अंग्रेजी माध्यम विद्यार्थी	50	19.4	3.36	

df = 98, P > 0-05 सार्थक अंतर नही है।

हन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियो के मध्य टी मूल्य 1.81 प्राप्त हुआ है जो कि त्र 98 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अंतर नही पाया गया। परिणाम इस तथ्य की पुष्टि करता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्य कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है इसका संभावित कारण यह होगा कि आज के सामाजिक वातावरण में शिक्षा के प्रति आधुनिक तकनीकी को अपना कर ज्ञान प्राप्त करता है। जिसमे माध्यम का कोई प्रभाव नही पड़ता।

H_{0-2}: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति के आधार पर उनके मध्य कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी 3: उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति के आधार पर उनके कैरियर परिपक्वता का सांख्यिकी विश्लेशण

क्रमांक	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	टी मूल्य
1	निम्न आय स्तर वाले विद्यार्थी	68	20	3.10	0.17
2	उच्च आय स्तर वाले विद्यार्थी समूह	38	19.89	3.15	

df = 98, P > 0-05 सार्थक अंतर नही है।

इनके मध्य टी मूल्य 0.17 प्राप्त हुआ है जो कत्रि 98 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अंतर नही पाया गया। परिणाम इस तथ्य की पुष्टि करता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पारिवारिक आर्थिक स्थिति के कारण उनके कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नही पाया गया है। इसका संभावित कारण यह हो सकता है सामाजिक वातावरण में बढ़ता ज्ञान, परिवेश, आधुनिकरण, शिक्षा –तकनीकी, शिक्षा के स्तर को उंचा उठाकर बालक को अपने कैरियर के प्रति सजग बनाती है। जिससे वे अपने कैरियर को लेकर जागरूक रहते है। उन पर पारिवारिक स्थिति का प्रभाव नही पडता।

निष्कर्ष

उपरोक्त अध्ययन में परीक्षणों से प्राप्त प्राप्तांको के आधार पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कैरियर परिपक्वता पर विश्लेशण करने पर यह पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर की विद्यार्थियों की कैरियर परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नही पाया गया। क्योंकि वर्तमान समय में आधुनिक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, मल्टीमीडिया, इंटरनेट आदि के कारण बालकों ने अपने ज्ञान के क्षेत्रों को इतना अधिक विस्तृत किया है कि वे अपने कैरियर के निर्माण में अधिक परिपक्व हो गये है। डॉ. परविन्द्रजीत कौर (2014) ने अमृतसर जिले के माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले 800 किशोरों का चयन किया और न्यादर्श के आधार पर स्कूल के प्रशासको और शिक्षकों द्वारा किशोरों को प्ररित करने के लिए अतिथि वक्ताओं के सेमीनार, कार्यशालाओं, व्याख्यान जैसे गतिविधियों का आयोजन कर कैरियर परिपक्वता को प्रभावित किया जा सकता है। अतः कैरियर पपिक्वता में विद्यार्थी आज अपनी रूचियों, योग्यताओं व क्षमताओं के अनुसार ही कैरियर का चयन अधिक सजग व जागरूक रहते है यही कारण है कि विद्यार्थी अपने कैरियर के प्रति अधिक परिपक्व हो गये है।

संदर्भ सूची

1. Dillon Upma, Kaur Rajindhar. Career maturity of school children. Journal of Indian academy of applied psychology. 2005; 31: 71-76 www.medinal.nic.in
2. Kaur Parvindhrjeet. उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यार्थीयो की कैरियर आंकाक्षा को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन Unpublished thisis Pt. Ravishankar shukla university ,Raipur. India, 2014.
3. Pradeep Kumar Mondal. उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यालय के व्यवसायिक परिपक्वता का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का एक अध्ययन Unpublished dissertation Pt. Ravishankar shukla University, Raipur. India, 2003.
4. Quileya Dawa Walker. An investigation of the relationship between career maturity, career decision self-efficacy and without disability unpublished Ph.D thiesis University of Lowa retrived fromn ir.uiowa.edu, 2010.
5. Tekke M, Ghani Faizal AM. Examining career maturity among foreign asian student. Academic level. Journal of Education and Learning. 2013; 7(1):29-34.